वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 216 | सोमवार 2 दिसम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

आरएसआरडीसी की 127वीं बोर्ड बैठक

आरएसआरडीसी अन्य राज्यों के कामों में भी भाग ले: उप मुख्यमंत्री, दिया कुमारी

कोटपुतली-कुचामन सड़क के लिए 169 करोड़ रुपए की स्वीकृति

कोटपुतली- कुचामन सड़क के लिए 169 करोड़ रुपए की स्वीकृति, ग्रीन कंस्ट्रक्शन से सड़क और भवन निर्माण करें

जयपुर. कासं। राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की 127 वीं बोर्ड बैठक का आयोजन रविवार को आरएसआरडीसी मुख्यालय में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2023- 24 की बैलेंस शीट एवं वित्तीय लेखा पारित किया गया। वर्ष 2023 -24 में आरएसआरडीसी का कुल टर्नओवर 3448.46 करोड रुपए रहा तथा आरएसआरडीसी 122.19 करोड़ का लाभ हुआ। बोर्ड बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कोटपूतली कुचामन रोड के चौड़ाइकरण एवं नवीनीकरण कार्य के लिए 169 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने इस काम को 18 माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये की सड़क निर्माण हेतु एफडीआर (फुल डेप्थ रिक्रिएशन) तकनीक का इस्तेमाल करें। गौरतलब है की इस तकनीक में पहले पुरानी सड़क को उखाड़ा जाता है और उसी सामग्री का इस्तेमाल करके नई सड़क बनाई जाती है। उप मुख्यमंत्री ने सड़क एवं अन्य निर्माण कार्यों में प्लास्टिक वेस्ट के इस्तेमाल करने तथा पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए भविष्य में एनवायरमेंट फ्रेंडली तकनीक से ग्रीन कंस्ट्रक्शन द्वारा सड़क एवं भवन निर्माण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरएसआरडीसी को प्रोक्योरमेंट सेल डेवलप करनी चाहिए और अन्य राज्यों एवं अन्य विभागों के टेंडर्स में भाग लेना चाहिए ताकि आरएसआरडीसी सरकार को बड़ा राजस्व प्रदान करने वाली एजेंसी बन सके। इस दौरान प्रमुख शासन सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव वित्त (व्यय) नवीन जैन, आरएसआरडीसी एमडी सुनील जयसिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने लिया चौथा संकल्प, 'राइजिंग राजस्थान' में विद्यार्थियों को मिलेगा ग्लोबल एक्सपोजर: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर. कासं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट को सफल बनाने के लिए 10 दिनों तक प्रत्येक दिन एक नए संकल्प लेने की पहल की है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने रविवार को चौथा संकल्प लेते हुए कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में प्रदेश के 350 विद्यार्थी स्वयंसेवकों को ग्लोबल एक्सपोजर प्रदान कर सशक्त बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट का उद्देश्य है कि राजस्थान की युवाशक्ति के कौशल, कार्यकुशलता को दिशा प्रदान कर प्रदेश के सर्वांगीण विकास की यात्रा में उनका भी योगदान सुनिश्चित किया जाए।

पूज्य मुनिश्री नीरज सागर महाराज एवं पूज्य मुनि श्री निर्मद सागर महाराज का हुआ कोटा में मंगल प्रवेश

समाज जन ने की मंगल अगवानी

कोटा. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री 108 नीरज सागर और मुनिश्री108 निर्मद सागर महाराज का मंगल प्रवेश रविवार प्रातःमहावीर नगर प्रथम में हुआ। सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष विमल जैन नांता ने बताया कि शनिवार को दोपहर डेढ़ बजे मुनिद्वय का पद विहार जगपुरा के लिये हुआ जहाँ 17 किमी की दूरी तय करके मुनिद्वय जगपुरा ग्राम पहुँचे जहाँ प्रतिक्रमण सामायिक पश्चात्रात्रि प्रवास हुआ। रविवार को जगपुरा से प्रातः कोटा के लिये विहार प्रारंभ हुआ। मार्ग में अनंतपुरा,गोबरिया बावड़िया आदि स्थानों पर श्रावकों द्वारा पाद प्रक्षालन किया गया। प्रचार सचिव मनोज जैन आदिनाथ ने बताया कि आचार्य श्री 108 समय सागर महाराज की आज्ञा से मुनिद्वय का आगमन हाड़ौती की ओर हुआ है इससे पूर्व मुनि संघ का इस वर्ष का वर्षायोग सवाई माधोपुर नगर में हुआ था और वर्षायोग निष्ठापन के बाद सवाई माधोपुर से विहार कर इटावा,मांगरोल,बाँरा,चांदखेड़ी,झालावाड़,रामगंजमंडी होते हुए कोटा की ओर विहार हुआ है। दोनों युवा संतों के प्रवचन काफी प्रभावशाली है और दोनों मुनि महाराज ने लौकिक जीवन में उच्च शिक्षा प्राप्त कर वर्ष 2013 में आचार्य विद्यासागर महाराज से महाराष्ट्र के रामटेक में मुनि दीक्षा ग्रहण की थी। कोचिंग के छात्र-छात्राओं को भी लाभ मिलने की संभावना है। पद विहार में अध्यक्ष विमल नांता,विमल वर्धमान,कार्याध्यक्ष प्रकाश बज,संजय निर्माण,वीरेंद्र आदिनाथ,सुधाडूंगरवाल,अजय मेहरू,रमेश चंद,नवीन दौराया, विजय जैन,सुरेश हरसौरा आदि सैकड़ों लोग साथ चल रहे थे।

नेट थिएटर पर नाटक तुरंत मंगोड़ी का मंचन

अभिनय के विभिन्न मसालो से तैयार तुरंत मंगोड़ी के स्वाद का आनंद उठाया दर्शकों ने

जयपुर. शाबाश इंडिया। नाद सोसायटी के कलाकारों द्वारा रंगमंडल योजना के अंतर्गत इम्प्रोवाइजेशनल रंगमंच से प्रभावित नाट्य प्रस्तुति सीरीज 2 'तुरत मंगोड़ी' का मंचन किया गया। नाटक में अभिनय के विभिन्न भावों के माध्यम से तुरंत तैयार की गई कहानी का सशक्त नाट्य मंचन कर प्रस्तुति दी गई। नेटथियेट के अनिल मारवाड़ी ने बताया कि यह रंगमंच 16 वीं 18वीं शताब्दी में कोमेडिया डेलआर्ट के कलाकारों द्वारा रंगमंच के इस फोम का प्रदर्शन किया गया। इसी प्रकार नाद सोसायटी के कलाकार माह के अंत में बिना किसी पूर्व तैयारी के तैयार प्रस्तुति को प्रस्तुत करतें है। इस तरह का यह दूसरा प्रयास है। तुरत मंगोड़ी राजस्थान की एक ऐसी सब्जी है जिसे बिना किसी पूर्व तैयारी के अचानक आये मेहमान के लिये चटपटी बेसन और अन्य घरेलु मसालो की सब्जी तैयार की जा सकती है। इसी सब्जी का शीर्षक बनाकर प्रस्तुति दी गई। इस इम्प्रोवसनल प्रस्तुति में वरिष्ठ रंगकर्मी राजेन्द्र शर्मा 'राजू', मनोज स्वामी, जीवितेष शर्मा और रेनू सनाढ्य ने तुरंत कहानी गढते हुऐ शानदार नाट्य प्रस्तुति देकर दर्शकों अभिनय के विभिन्न भावों से प्रभावित कर अमिट छाप छोडी। प्रकाश अंकित शर्मा नोनू और मंच सहायक घृति शर्मा, जीतेन्द्र शर्मा, मुकेश सैनी आदि रहे।

आरजू ने राष्ट्रीय स्तरीय शॉटपुट प्रतियोगिता में भाग लिया

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। एसजीएफआई द्वारा 68वीं राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता- 2024 का आयोजन लखनऊ के गुरू गोबिंद सिंह कॉलेज में किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय की बाहरवीं कला संकाय से आरजू ने अंडर-17 शॉटपूट में भाग लिया। अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए आरजू ने प्रतियोगिता में पांचवा स्थान हासिल कर राष्ट्रीय स्तर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। इससे पहले सीबीएसई कलस्टर में बेहतरीन प्रदर्शन करने पर एसजीएफआई द्वारा आरजू का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए किया गया था। विद्यालय पहुंचने पर खिलाड़ी छात्रा का स्वागत किया गया। इस मौके पर विद्यालय निदेशक रणजीत सिंह सिद्ध, विद्यालय चेयरमैन राजेन्द्र सिंह सिद्ध, सचिव छबीलदास सुथार, प्राचार्य सत्यनारायण पारीक, एडमिनिस्ट्रेटर अशोक, प्रबंधन समिति के सदस्य परमिंदर सिंह सिद्धू व कपिल सुथार, विद्यालय प्रैस प्रवक्ता गुरसेवक सिंह मौजूद थे।

प्रेम वाटिका में अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई संपन्न

आगरा. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 1 दिसम्बर, को मारुति स्टेट स्थित प्रेम वाटिका पर अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा के तत्वावधान में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा किया गया।मंच का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री पारसचन्द जैन द्वारा किया गया। मंगलाचरण के बाद श्रीजी के चित्र का अनावरण सुशील कुमार जैन सिकन्दरा एवं दीप प्रज्जवलन श्री राजेश कुमार जैन (बैंक) कमलानगर आगरा द्वारा किया गया। राष्ट्रीय मीटिंग में सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि विधवा सहायता समय से भिजवायी जाए। जयपुर में पल्लीवाल जैन भवन का निर्माण कराया जाए। विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। राष्ट्रीय बैंकों में महासभा के नवीन खाते खोले जाएं। मीटिंग के समापन पर मुकेशचंद जैन भगत द्वारा सभी अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन स्वागत किया गया। इस बैठक में भागचंद जैन- अर्थमंत्री नवीन जैन बयाना,पवन जैन तिजारा, महावीर प्रसाद जैन, श्रीमती सुनीता जैन,श्रीचंद जैन रमेश पल्लीवाल, राजेन्द्र कुमार,रविन्द्र कुमार जैन, मुकेश चंद भगत,विजय कुमार, निर्मल कुमार, प्रमोद कुमार,विवेक जैन, मोहिताश जैन,पंकज जैन,राजेश जैन,दिनेश भगत,एकता जैन, कुलदीप जैन,पलास जैन,धर्मचंद जैन, सौरभ जैन,आदित्य भगत यतीन्द्र कुमार जैन,योगेश कुमार,गिरीशचंद जैन,आशीष जैन,आकाश जैन आदि अनेक गणमान्य मौजूद थे।

धोरों के बीच गूंजे जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल के नारे, मायला साहब गुरुद्वारा साहिब में गुरबाणी सुन निहाल हुई संगत

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। सिखो के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव के उपलक्ष में गुरुद्वारा श्री गुरनानक दरबार मायला साहब में विशाल समागम का आयोजन किया गया।इस मौके पर श्री गुरुद्वारा साहब को विशेष रूप से सजाया गया। पल्लू क्षेत्र में धोरों के बीच स्थित इस गुरुद्वारा साहब में रविवार को हनुमानगढ़,रावतसर सहित अनेक जगहों से सीख संगत ने पहुंच कर शीश नवाया। बाहर से बड़ी संख्या में संगत के मायला साहब पहुंचने पर पुष्प वर्षा के साथ संगत का स्वागत किया गया। सिख संगत के पहुंचने के उपरांत पूरा मायला गांव वाहेगुरु जी का खालसा,वाहेगुरु जी की फतेह व जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल के नारो से गुंजायमान हो गया। संगत के पहुंचने के उपरांत श्री गुरुद्वारा साहब में रखे गए श्री अखंड पाठ साहब का भोग डाला गया। इसके उपरांत गुरुद्वारा श्री बूढ़ा जोहड़ साहब से पहुंचे रागी जत्थे ने गुरबाणी से साध संगत को निहाल किया। इसके उपरांत गुरु का अटूट लंगर संगत में बरताया गया। रावतसर सुखमणि सोसायटी ने गुरुवाणी से संगत को निहाल किया।साथ ही रावतसर से हरजीत सिंह,जगदीप सिंह,जश्नदीप सिंह आदि ने गुरुद्वारा साहिब में संगत के लिए पकौड़ों की सेवा की।साध संगत ने पंकत में बैठ गुरु के लंगर का आनंद उठाया।रेतीले धोरों के बीच हर वर्ष यह समागम धूमधाम से मनाया जाता है। जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु श्रद्धा के साथ शीश निवाने पहुंचते है। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा सेवादारों को सरोपे भेंट किए गए। सिख संगत के अलावा इस गांव व आसपास के लोग भी इस कार्यक्रम में शिरकत करते है। आपको बता दे की इस गांव में गुरुद्वारा श्री गुरुनानक दरबार स्थापित होने के बाद मायला गांव का नाम लोग आदर के साथ मायला साहब लेने लगे है। इस मौके पर मुख्य सेवादार बूटा सिंह थानेदार,प्रधान मोहन सिंह रेंजर,जसपाल सिंह,मोहन सिंह बैटरी वाले,निर्मल सिंह मास्टर,गुरचरण सिंह रामगढ़िया सहित बड़ी संख्या में सिख संगत मौजूद रही।

मुनि श्री समत्व सागर जी और मुनि श्री शील सागर जी महाराज का महाविद्यालय में हुआ आगमन

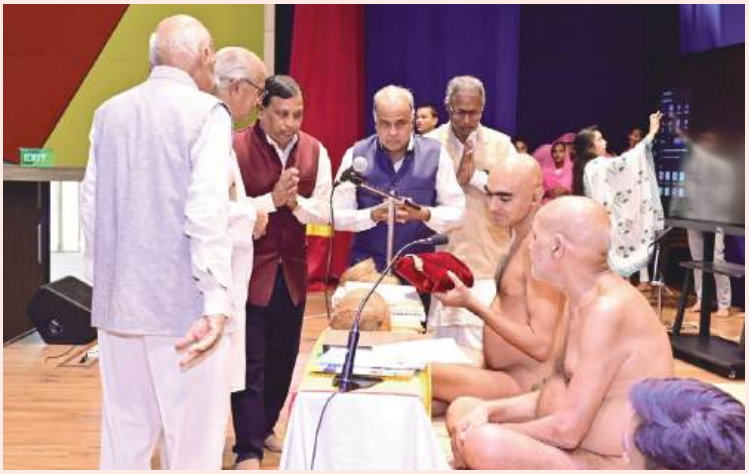

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर में आज मुनि श्री समत्व सागर जी और मुनि श्री शील सागर जी महाराज ने अपने आशीष वचनों से महाविद्यालय के आगन्तुकों, छात्र-छात्रों एवं स्टॉफ को उपकृत किया। मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज ने विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने के लिए कई उदाहरणों से समझाया कि समस्या यह है कि जो हमारे पास है, उसे हम भूल गए हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि उड़ान भरने के लिए आसमान की तरफ देखना होगा। उन्होंने बताया कि महावीर भगवान की देशना जैनियों के लिए ही नहीं थी अपितु सम्पूर्ण प्राणीमात्र के लिए थी। जैनिज्म का अहिंसा मंत्र पूरे विश्व में चरम पर होगा तो विश्वशांति अपने आप स्थापित हो जाएगी। मुनि श्री शील सागर जी ने मधुर वाणी एवं गेय शैली में जैन धर्म के स्वाभिमान, शील और संयम का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन द्वारा हुई। तत्पश्चात महाविद्यालय के अध्यक्ष एन. के.सेठी (सेवानिवृत्त आइ ए एस), मंत्री महेश चन्द्र चाँदवाड़, पूर्व प्राचार्य एवं जैन मनीषी डॉ.शीतल चंद्र जैन, प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन एवं कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा मुनिश्री को श्रीफल भेंट कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेन्ट प्रोफेसर हेमन्त जैन द्वारा किया गया ।

वेद ज्ञान

मनुष्य के हाथ में कुछ नहीं

यदि मनुष्य के हाथ में कुछ होता तो वह मनचाहा जीवन जीने की प्रभुता रखता संसार में जो भी जिसे मिला है वह महज प्रभुकृपा से ही। वह उतनी ही देर उस पद अथवा सत्ता पर आसीन रह सकता जितनी देर प्रभुकृपा से उसे अवसर प्राप्त हुआ है। अनादि काल से यह चराचर सृष्टि उस असीम प्रभुसत्ता की न्यायप्रिय बागडोर से ही अधिशासित है। यह व्यवस्था इतनी सुव्यवस्थित है कि कभी इसने किसी जीव के साथ किंचित भी अन्याय नहीं किया है। इस दुर्लभ जीवन का कोई भी सुअवसर प्रभुकृपा के बगैर संभव नहीं है। इस संसार में संपूर्ण जीवजाति अपने विगत कर्मों की शुचिता व अशुचिता के क्रम में जन्म ग्रहण करती है, लेकिन सभी को वही कुछ नहीं नसीब हो पाता है जिसकी आवश्यकता उसे महसूस होती है अथवा जिसे वह प्राप्त कर लेना चाहता हो। अपने पुण्यकर्मों के प्रभाव से प्राप्त पद की गरिमा, शक्ति व चकाचौंध में अज्ञानता से वशीभूत होकर वह समय व अपने अधीनस्थों को अपने निदेशों से निर्देशित करना चाहता है। वह भूल जाता है कि यहां जो कुछ भी मिला है वह महज प्रभुकृपा से ही सुलभ हुआ है। जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता की पराकाष्ठा तक पहुंचने के दो ही सूत्र हैं। एक कार्य के प्रति संघर्षयुक्त निष्ठा (ईमानदारी) और दूसरा जो प्रमुख कारक है वह है प्रभुकृपा। जीवन के महासंग्राम में सभी सैनिक अपने-अपने उद्देश्यों और आदर्शों की लड़ाई लड़ते हैं, लेकिन योग्यता, क्षमता व प्रचुर शक्ति के होते हुए भी विजयश्री उसी को मिलती है जिस पर महज प्रभुकृपा होती है। जीवन में हर व्यक्ति संघर्ष व मेहनत करता है। चुनाव में असंख्य लोग अपना अथक श्रम, पैसा व शक्ति लगाकर भाग्य आजमाते हैं, लेकिन विजयश्री की कुर्सी व पद उसे ही प्राप्त होता है जिसे प्रभुकृपा का प्रसाद कवच रूप में प्राप्त होता है। प्रभुसत्ता के समक्ष संसार की सारी सत्ताएं धरी की धरी रह जाती हैं। उसके बगैर वे वैभव व श्रीहीन हो जाती हैं। यदि मनुष्य के हाथ में कुछ होता तो वह मनचाहा जीवन जीने की प्रभुता रखता, लेकिन एक क्षण भी वह प्रभुकृपा की स्नेह-छांव के बगैर जीवन यात्रा का पग आगे नहीं बढ़ा सकता। संसार में जो भी जिसे मिला है वह महज प्रभुकृपा से ही।

संपादकीय

अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त

जल्दी ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने के दावों के बीच चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में विकास दर 5.4 फीसद रहने के आंकड़े स्वाभाविक रूप से निराशाजनक हैं। हालांकि जुलाई-सितंबर की तिमाही में अक्सर विकास दर सुस्त देखी जाती है, मगर आर्थिक संगठनों और खुद सरकार ने इसके करीब सात फीसद के आसपास रहने का अनुमान लगाया था। अब कहा जा रहा है कि अगली छमाही में विकास दर अच्छी

रहेगी। अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही चूंकि त्योहारी मौसम की होती है, इसलिए इसमें वृद्धि देखी ही जाती है। मगर ताजा आंकड़े सकल घरेलू उत्पाद को लेकर चिंता पैदा करते हैं। दूसरी तिमाही में सबसे बुरी गत विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र की रही। विनिर्माण क्षेत्र की विकास दर 2.2 फीसद दर्ज हुई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 14.3 फीसद थी। निर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर पिछले वर्ष की समान अवधि की 13.6 फीसद से घट कर 7.7 पर पहुंच गई। इसी तरह आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों में वृद्धि दर घट कर 3.1 फीसद रह गई, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 12.7 फीसद थी। कृषि जैसे कुछ क्षेत्रों में मामूली वृद्धि को छोड़ दें, तो ज्यादातर क्षेत्रों में विकास दर सुस्त ही दर्ज हुई है। इस सुस्ती के पीछे तर्क दिए जा रहे हैं कि रेपो दर ऊंची रहने और महंगाई पर काबू न पाए जा सकने की वजह से उपभोक्ता व्यय घटा है। इसके अलावा राजस्व घाटा कम करने के उद्देश्य से सरकारी व्यय भी कम कर दिया गया है। इसका असर सकल घरेलू उत्पाद पर पड़ा है। मगर फिलहाल इन स्थितियों में सुधार की बहुत संभावना नजर नहीं आती। विनिर्माण क्षेत्र में विकास दर सुस्त रहने का अर्थ है कि बड़े पैमाने पर लोगों के सामने रोजगार का संकट बढ़ा है। यही क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार उपलब्ध कराता है। रोजगार और लोगों की कमाई घटने का स्वाभाविक असर उपभोक्ता व्यय पर पड़ता है। लोग केवल जरूरी चीजों की खरीद करते हैं, विलासिता की और टिकाऊ कही जाने वाली वस्तुओं की खरीद कम होने लगती है। स्वाभाविक ही इससे उत्पादन घट जाता है। यह भी एक महत्त्वपूर्ण तथ्य है कि पिछले नौ-दस वर्षों में लोगों की मजदूरी और औसत वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। लंबे समय से इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि जब तक लोगों की क्रयशक्ति नहीं बढ़ेगी, तब तक आर्थिक विकास के सारे उपाय तदर्थ ही साबित होंगे। अर्थव्यवस्था में मजबूती के लिए उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ अन्य पहलुओं पर भी संतुलन साधने की जरूरत होती है। निर्यात के मामले में लगातार निराशाजनक तस्वीरें आती रही हैं। चीन आदि देशों के साथ हमारा व्यापार घाटा निरंतर बढ़ रहा है। इसी तरह बेशक जीएसटी संग्रह में बढ़ोतरी के आंकड़े दर्ज हो रहे हों, पर हकीकत में राजकोषीय घाटा बढ़ रहा है। इस पर काबू पाने के लिए सरकारी व्यय में कटौती करनी पड़ रही है। जिस तरह विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार कमी आ रही है, उससे जाहिर है कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश सिकुड़ रहा है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सत्ता का समीकरण

गठबंधन में चुनाव जीत कर बहुमत हासिल करने पर अक्सर मुख्यमंत्री पद को लेकर असमंजस की स्थिति बन जाती है। फिर, गठबंधन धर्म का निर्वाह और सहयोगी दलों के साथ सौहार्दपूर्ण समीकरण बिठाने में कई बार कठिनाई पेश आती है। महाराष्ट्र में भाजपा के सामने भी वही स्थिति है। वहां उसने एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना और अजित पवार की अगुआई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ मिल कर चुनाव लड़ा था। सबसे अधिक सीटें भाजपा को मिलीं। स्पष्ट बहुमत से महज तेरह सीटें कम। इस लिहाज से मुख्यमंत्री पद पर उसी का हक बनता है। शुरू में एकनाथ शिंदे ने जरूर कुछ दबाव बनाने का प्रयास किया था, मगर आखिरकार उन्होंने भी भाजपा का नेतृत्व स्वीकार कर लिया। इस तरह भाजपा के लिए रास्ता साफ हो गया और देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे माना जाने लगा। मगर दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक के बाद भी मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा नहीं की जा सकी। चुनाव नतीजों के सात दिन बाद भी इस मामले में निर्णय न लिए जा सकने से स्वाभाविक ही तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। पिछली सरकार में काफी उथल-पुथल बनी रही। तब शिवसेना के साथ मिल कर भाजपा ने चुनाव लड़ा था, मगर चुनाव नतीजों के बाद शिवसेना ने पाला बदल लिया और कांग्रेस तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस से हाथ मिला कर महाअघाड़ी की सरकार बना ली थी। फिर शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस में बड़ी टूट हुई और इन दलों के नेताओं ने भाजपा के साथ मिल कर एकनाथ शिंदे की अगुआई में सरकार बना ली थी। संभव है, वहां उलट-फेर की आशंका भाजपा को अब भी सता रही होगी, इसलिए वह नई सरकार के गठन में किसी भी तरह सहयोगी दलों को असंतुष्ट नहीं रखना चाहती। फिर, जातियों का समीकरण भी उसे साधना है। वह मराठा दबदबे से अलग पिछड़े और दलित वर्ग में पैठ बनाना चाहती है। मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हरियाणा के विधानसभा चुनावों के बाद जिस तरह इन वर्गों को संतुष्ट करने का प्रयास किया, उससे यह कयास स्वाभाविक रूप से लगाया जाने लगा है कि महाराष्ट्र में भी भाजपा कोई हैरान करने वाला फैसला कर सकती है। राजनीति में केवल सरकार बना लेना महत्त्वपूर्ण नहीं होता, सरकार के माध्यम से अपने जनाधार का विस्तार करना भी होता है। भाजपा इसी रणनीति पर काम कर रही है। मगर सरकार के गठन में देरी से प्रशासनिक कामकाज पर प्रतिकूल असर पड़ता है। मतदाता उन वादों को अमली जामा पहनते देखना चाहते हैं, जो चुनाव प्रचार के समय विजेता पक्ष ने किए थे। प्रशासनिक अमला इंतजार करता रहता है कि नई सरकार निर्देश दे कि उसे किन मसलों को तरजीह देना है और किन मसलों को मुल्तवी करना है। महाराष्ट्र आर्थिक रूप से समृद्ध राज्यों में शुमार है, इसलिए वहां सरकार गठन में होने वाली देरी का असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। यह ठीक है कि गठबंधन में संतुलन साधना कठिन होता है, मगर महाराष्ट्र में ऐसी कोई अड़चन नजर नहीं आती। भाजपा को ही अपने असमंजस से बाहर निकलना है। चूंकि वह बड़ी पार्टी है, उसे सहयोगी दलों के साथ उदारता पूर्वक व्यवहार करना और उनके सहयोग का सम्मान करना होगा, तभी महायुति की टिकाऊ और भरोसेमंद सरकार बन सकेगी। पहले ही महाराष्ट्र काफी उठा-पटक झेल चुका है, उसे राजनीतिक स्थायित्व की जरूरत है।

महाराणा विश्वराज सिंह जी मेवाड़ से की उदयपुर के युवाओं ने भेंट

उदयपुर. शाबाश इंडिया

युवा हास्य कवि रोहित बंसल आज मेवाड़ के 77 वे वंशज महाराणा मेवाड़ श्री विश्वराज सिंह जी से मिले एवं उन्हें छवि भेंट की,साथ ही उनके नाम के अक्षरों का भिन्न भिन्न अर्थ निकाल कर फ्रेम भेंट किया गया। फ्रेम का सम्पूर्ण डिजाइन एनिमेटर एकेडमी लक्षित कोठारी द्वारा बनाया गया एवं तलवारों पर काश्तकारी करने के लिए जाने माने कलाकार गोपेश परिहार भी एवं स्वस्तिक परिहार मौजूद रहे। अपनी छवि को देखकर महाराज कुमार साहब ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त की ।

आहार विहार के दौरान संतों की व्यवस्था बनाना समाज का कर्तव्य : विनय सागर

अंबाह. शाबाश इंडिया। जैन मुनि विनय सागर जी महाराज ने मुरैना स्थित जैन मंदिर में वर्तमान समय में धर्म के प्रति मंदिर कमेटी के पदाधिकारी एवं समाज की कम होती सक्रियता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि साधु संत जब विहार करते हैं, तब उनके आहार-विहार के समय समाज व कमेटी के पदाधिकारी साथ में रहकर व चलकर उनका पूरा ध्यान रखें,ताकि उनकी रक्षा और सुरक्षा की जा सकें, उन्होंने कहा कि ये सोने का समय नहीं है, जागने का समय है, अगर अभी न जागे तो आगे हम कुछ नहीं कर पाएंगे, तमाम जैन संगठन को आगे आकर इस पर गहरा चिंतन करना चाहिए कि आखिर धर्म के प्रति हम अपने दायित्वों का निर्वहन क्यो नही कर पा रहे है क्यो की इस दौर में समाज की कम होती सक्रियता बहुत ही चिंता का विषय है। जैन संत ने कहा कि कमेटियां इतनी निष्क्रिय हो गई है कि संत को नगर प्रवेश के लिए श्रीफल भेट करने के उपरांत भी उनकी अगवानी के लिए पदाधिकारी तक नहीं जाते है जैन संत ने कहा जिस नगर में समाज की पर्याप्त संख्या हो उस नगर से आहार और विहार की व्यवस्था के लिए किसी का भी आगे न आना बहुत ही निराशाजनक स्थिति है उन्होंने कहा कि अगर देखा जाए तो धौलपुर या ग्वालियर के रास्ते पर हाईवे के चलते सैकड़ो की संख्या में वाहनों का आवागमन होता है ऐसी स्थिति में साधु संतों का विहार चुनौती पूर्ण है अगर इस दौरान समाज के लोग साथ ना हो तो कोई भी दुर्घटना घटित हो सकती है इस पर ध्यान देने की आवश्यकता हैजैन मुनि ने कहा कि समाज को साधु संतों के आहार-विहार- के लिए जागरूक होना होगा ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके। साधु, संतों के विहार में अक्सर समाज की लापरवाही देखी जाती है जिसपर चिंतन जरूरी है। जब भी साधु का विहार हो संबंधित एरिया की जैन समाज का दायित्व बनता है कि वह स्थानीय पुलिस प्रशासन को भी उनके विहार कार्यक्रम की डिटेल दे, यदि पुलिस प्रशासन के संज्ञान में साधु का विहार होगा तो वह सुरक्षा के इंतजाम भी करेगी , साधु की सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रशासन से कहीं अधिक समाज की है। जब कोई अप्रिय घटना घट जाती है तो हम निंदा आदि प्रस्ताव पास करके बैठ जाते हैं अब समाज को निर्णायक फैसले लेना होगा। हम अपनी विरासत बचाने को आगे आएं। इसकी रक्षा करने के लिए हमे संकल्पित होना होगा। मात्र व्हाट्सएप, फेसबुक पर ज्ञान बाटने की आदत से बाहर निकलकर कुछ सार्थक निर्णायक कदम उठाना आज की महती आवश्यकता है।

पाठशाला के बच्चों ने सामूहिक समुच्चय पूजन कर अर्घ्य समर्पित किए

जीवन में अनुशासन का महत्व जाना...

अजीत कोठिया. शाबाश इंडिया

डडूका। दिगंबर जैन पाठशाला डडूका के बच्चों ने प्रातः मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान का अभिषेक कर सामूहिक समुच्चय पूजन मे हिस्सा ले कर भगवान को अर्घ्य समर्पित किए। पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया के निर्देशन में जूनियर वर्ग के बच्चों की पार्श्वनाथ अर्घ्य प्रतियोगिता हुई जिसमें देवर्ष जैन ने प्रथम, क्रिया भरड़ा ने द्वितीय, पुष्टि भरड़ा ने तृतीय तथा संचित जैन एवं विधान शाह ने चौथा स्थान प्राप्त किया। बच्चों का तुतलाते हुए अर्घ्य समर्पण बड़ा ही मनमोहक था। सीनियर वर्ग के बच्चों ने स स्वर प्रभु पतित पावन में अपावन चरण आयो शरण जी भक्ति प्रस्तुत की। पाठशाला के मंत्री रितेश जे शाह ने इस अवसर पर बच्चो को जीवन में अनुशासन का महत्व बताते हुए बच्चो से पाठशाला की गतिविधियों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। शाह ने पाठशाला के नवाचारों की प्रशंसा करते हुए सभी प्रेरकों के प्रति साधुवाद व्यक्त किया। संचालन पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया ने किया आभार छात्र संघ प्रधानमंत्री रियल जैन ने व्यक्त किया। सामूहिक पूजन में 14बच्चो ने पुर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ हिस्सा लिया।

स्वर्ण हॉस्पिटल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित एड्स दिवस के अवसर पर सत्तर मरीज हुए लाभान्वित

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। विश्व एड्स दिवस पर मरीजों की सुविधा के लिये स्टेशन हाट रोड़ स्थित स्वर्ण हॉस्पिटल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कोटा मेडिकल कॉलेज के एडोक्राईनोलोजी के विभागाध्यक्ष डॉ नितेश कुमार बौद्द द्वारा 70 मरीजों को निःशुल्क परामर्श दिया गया। मरीजों की शुगर, बी पी, एच बीए 1 सी, लिपिड प्रोफाइल, यूरिक एसिड व थायराइड इत्यादि जाँचें भी निःशुल्क की गईं। शिविर में डॉ एम पी सिंह, डॉ गुरविंदर कौर, सुनील दाभाई, शैलेश गुप्ता, सुधांशु गुप्ता व अन्य स्टाफ का सहयोग रहा।

आपका एक वोट समाज की दशा और दिशा बदल सकता हैं, मतदान जरूर करें ।

राजस्थान जैन सभा

कार्यकारिणी सदस्य चुनाव-2024

मानव सेवा को समर्पित प्रमुख समाजसेवी

बैलेट नं. 12

को अपना
अमूल्य मत एवं समर्थन
देकर विजयी बनायें

रविवार, दिनांक 8 दिसम्बर 2024
समय : प्रात: 8.15 बजे से सायं 5.15 बजे तक
स्थान : महावीर स्कूल प्रांगण, सी-स्कीम, जयपुर

राकेश गोदिका

मानव सेवा के लिये समर्पित

विगत 43 वर्षों में 500 से अधिक रक्तदान शिविर का आयोजन कर
20,000 यूनिट के लगभग रक्त एकत्रित करवाने में एवं
1000 नैत्र प्रत्यारोपण ऑपरेशन करवाकर मानव सेवा में सहयोग किया
राकेश गोदिका ने अब तक स्वयं ने भी लगभग 75 बार रक्तदान कर
मानव सेवा में अपना अमूल्य योगदान दिया

निवेदक

नरेश जैन मेडता

मोनिका जैन

विवेक विहार जैन मंदिर

9509493840

कैंसर में प्राकृतिक उपचार अपनाएं और ठीक हो जाएं

रूस के एक वैज्ञानिक डॉ. मेर्मेर्सकी ने घर में बनाई जाने वाली एक इसी औषधि इजाद की है जिसका इस्तेमाल करने से बहुत सी भिन्न भिन्न प्रकार की बीमारियां अथवा कैंसर जैसे जानलेवा बीमारी से भी बचा जा सकता है। यह औषधि कई प्रकार के कैंसर के इलाज में फायदेमंद हो सकती है।

दुनिया भर के अरबों लोग कैंसर से पीड़ित हैं, आज के समय की यह सबसे घातक बीमारी है। लेकिन कुछ लोगों का दावा है कि यह रूसी वैज्ञानिक डॉ. मेर्मेर्सकी द्वारा की खोजी एक प्राकृतिक उपचार से ठीक किया जा सकता है। रूस के एक वैज्ञानिक डॉ. मेर्मेर्सकी ने घर में बनाई जाने वाली एक इसी औषधि इजाद की है जिसका इस्तेमाल करने से बहुत सी भिन्न भिन्न प्रकार की बीमारियाँ अथवा कैंसर जैसे जानलेवा बीमारी से भी बचा जा सकता है। यह औषधि कई प्रकार के कैंसर के इलाज में फायदेमंद हो सकती है। दुनिया की ऐसी बहुत सी बड़ी लाइलाज बीमारियाँ हैं जिनका इलाज संभव नहीं है और इसकी वजह से लोग मर जाते हैं। फिर वो चाहे एड्स हो या कैंसर हो या ट्यूमर हो। ये बीमारियाँ शुरू में तो पकड़ में नहीं आतीं और जब तक इनका पता चलता है तब तक ये हाथ से बाहर हो चुकी होती हैं। कितनी ही मासूम जानों को हमने इन बीमारियों की वजह से खोते हुए देखा है। लोग दावा तो करते हैं कि इनका इलाज कहीं आयुवेर्दा में है या किसी तांत्रिक के पास है लेकिन आज तक इस बारे में कुछ ढंग का देखने को मिला नहीं है। इस बीमारी से देश दुनिया में अरबों लोग ग्रसित हैं और यह बीमारी आज के दौर की सबसे घातक बीमारी बनकर सामने आई है। लेकिन कुछ सुखद इस बारे में सुनने को मिल रहा है क्योंकि बहुत से लोग इस बात का दावा कर रहे हैं कि रूसी वैज्ञानिक ह्स्तो मेर्मेर्सकी ने एक ऐसा प्राकृतिक उपचार का इजाद किया है जिससे इस बीमारी का इलाज संभव हुआ है। रूसी वैज्ञानिक ने घर में बनने वाली ऐसी नायाब दवाई खोजी है जिसका प्रयोग करने पर कैंसर सहित बहुत सी और बीमारियाँ दूर की जा सकती हैं। यह दवाई कैंसर के तमाम प्रकार के फॉर्म्स को सही करने में सक्षम बताई जा रही है। डॉ. मेर्मेर्सकी के अनुसार यह औषधि

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर। 9828011871

लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन के लिए सहायक है। यह कैंसर के इलाज में बहुत लाभकारी है और साथ ही जवान दिखने और शारीरिक ताकत के लिए भी फायदेमंद है। यह शरीर में मेटाबोलिज्म को बढ़ाता है, गुर्दों और लीवर को साफ करता है, शरीर में बीमारियों से लड़ने की शक्ति पैदा करता है और दिल के दौरे से बचाता है।

आइए जानते हैं इस औषधि को तैयार करने की आवश्यक सामग्री के बारे में:

400 ग्राम ताजा अखरोट
400 ग्राम अंकुरित अनाज (गेंहू)
1 किलो प्राकृतिक शहद
12 ताजा लहसुन की कलियां
15 ताजा नींबू

अंकुरित अनाज तैयार करने का तरीका

अनाज को एक कांच के बर्तन में रख दें, उसमें उतना पानी डालें जिससे अनाज अच्छी तरह भीग जाए। इसे एक रात के लिए छोड़ दें। अगली सुबह अनाज को निकालकर छान लें, फिर पानी से धोकर अच्छे से पानी निकाल दें। पानी निकालने के बाद अनाज को दोबारा कांच के बर्तन में डालकर 24 घंटे तक रखें। इस तरह अंकुरित अनाज तैयार हो जाएगा।

औषधि तैयार करने की विधि

लहसुन की कलियाँ, अंकुरित अनाज और अखरोट को एक साथ पीस लें। 5 नींबू बिना छिलका फेंके पीस लें। बाकी के बचे 10 नींबू का रस इसमें निचोड़ दें। अब सभी चीजों को अच्छे से मिला लें। अब इसमें लकड़ी की चम्मच से शहद अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को एक कांच के जार में भरकर फ्रिज में रख दें।

सेवन करने का तरीका: डॉ. मेर्मेर्सकी के अनुसार इसे सोने के आधे घंटे पहले लें और हर बार खाना खाने के आधे घंटे पहले लें। अगर कैंसर के इलाज के लिए ले रहे हैं तो हर 2 घंटे में 2-2 चम्मच लेते रहें। यह कैंसर के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही यह आपको जवान और ताकतवर बनाने में भी मददगार है।

दुर्गति का कारण आवश्यकता नहीं आसक्ति है : भावलिंगी संत आचार्य श्री विमर्शसागर जी

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिंड। ''अपनी दृष्टि को निर्मल कर लीजिए, आपको सारी सृष्टि निर्मल ही दिखाई देगी।'' अनादि से यह जीव सुख की खोज में है लेकिन खोजता रहा मात्र पर के ही दोष, इसीलिए कभी नहीं हो पाया स्वयं निर्दोष । दूसरों के दोष देख-देखकर व्यक्ति वे दोष स्वयं में ही संगृहीत करता जाता है।

दोषों से मुक्त होने का उपाय मात्र यही है कि अपने ही दोषों को खोजकर उनका त्याग कर दिया जाए। ध्यान रहे, जब दोषों का त्याग होता है तो व्यक्ति स्वयमेव ही गुणों से भरपूर होने लगता है। ऐसा महामंगलकारी धर्मोपदेश राजधानी दिल्ली कृष्णानगर में उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री विमर्शसागर जी मुनिराज ने दिया। सुखी जीवन जीने के लिए मात्र एक सूत्र को जीवन में उतार लें, वह सूत्र है - ''जीवन के लिए आवश्यक पदार्थों का उपयोग अवश्य करें किन्तु आसक्ति किसी भी पदार्थ में न करें।'' जीवन जीने के लिए मूलभूत पदार्थों की महती आवश्यकता होती है। ''आवश्यक पदार्थों का अनासक्ति पूर्वक उपयोग मात्र करना'' आपको कभी रोना नहीं पड़ेगा। आवश्यकता दुर्गति का कारण नहीं है अपितु आवश्यक अथवा अनावश्यक में आसक्ति का होना ही दुःख एवं दुर्गति में कारण बनता है। भगवती जिनदीक्षा महोत्सव के ऐतिहासिक महा-अनुष्ठान 06 दिसम्बर 2024 को कृष्णानगर जैन मंदिर में होगा भगवती जिनदीक्षा प्राप्त करने वाले सभी दीक्षित माताजी साधिकाओं की मुखशुद्धि एवं व्रतदान किया सम्पन्न की जाएगी।

धर्म कषायों को बढ़ाने में नहीं घटाने में है: गुरुमां विज्ञाश्री माताजी

गुन्सी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी जिला टोंक राजस्थान में विराजमान परम पूज्य भारत गौरव गणिनी आर्यिका गुरुमां 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री जिन सहस्त्रनाम मंत्रावली की आराधना करने का सौभाग्य हर्षित जैन जयपुर जितेंद्र जैन मारोठ वाले मालवीय नगर जयपुर वालों ने प्राप्त किया। तत्पश्चात अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान की शांतिधारा देखने हेतु जनता उमड पड़ी। किशनगढ़, केकड़ी, टोंक, देवली, कोटा, जयपुर, निवाई, दिल्ली के भक्तों को पूज्य गुरुमां का मंगल आशीर्वाद प्राप्त हुआ। जयपुर जवाहर नगर से पधारे अशोक अजमेरा सपरिवार ने आर्यिका संघ की आहारचर्या कराने का सौभाग्य प्राप्त किया। तत्पश्चात पूज्य गुरुमां के कर कमलों से मंगल कलश प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने श्रद्धालुओं को संबोधन देते हुए कहां की सिर्फ देना दान नहीं कहलाता। दान देने के पीछे मनुष्य के अंदर की लोभ कषाय का विसर्जन होना ही वास्तव में दान है। लोभ का दान करो परंतु दान करके लोभ नहीं करना चाहिए। धर्म कषायों को बढ़ाने में नहीं घटाने में है। इसलिए धर्म के नाम पर कभी भी मान सम्मान या लोभ की इच्छा नहीं करना चाहिए।

जैन सोशल ग्रुप सनशाइन संगिनी के द्वारा वनडे स्पोर्ट्स का आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। जैन सोशल ग्रुप सनशाइन संगिनी के द्वारा वनडे स्पोर्ट्स का आयोजन रांका जी की बगीची में किया गया। जिसका शुभारंभ सनशाइन के अध्यक्ष विक्रम सांखला और सचिव प्रतीक खटोड के द्वारा फीता काटकर किया गया। अध्यक्ष आकांक्षा बुरड़ ने बताया कि इसके लिए प्रियंका छल्लानी और निकिता नाहटा को प्रोजेक्ट डायरेक्टर एवं रंजना बाबेल, सुप्रिया बोहरा ,निधि नाहटा, शिल्पा बोहरा, ईशा कोठारी को कैप्टन बनाया गया। सचिव शोभंता मेहता ने बताया बच्चों के वर्ग में स्कूल बैग रेस में प्रथम नवीन खारीवाल द्वितीय आरवी और तृतीय समृद्धि रही। सेक रेस में प्रथम स्थान आरव, द्वितीय रिदम, तृतीय आंजल ने प्राप्त किया । पिक एंड अरेंज रेस में प्रथम स्थान झलक, द्वितीय भव्य और तृतीय सिद्धांत ने प्राप्त किया । टेनीकोर्ट जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान मौलिक और भव्य, द्वितीय स्थान झलक टीया, तृतीय स्थान लब्धि और आरवी ने प्राप्त किया ।टेनी कोर्ट के सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान नैतिक और जैनम, द्वितीय स्थान इशिका और प्रांजल, तृतीय स्थान लविश और नव्या महिलाओं के वर्ग में इंटरटेनमेंट रेस में प्रथम स्थान प्रियंका छल्लानी, और द्वितीय स्थान सुनीता बंब और टेनी

कोर्ट में महिला वर्ग में प्रथम प्रियंका , सुमिता द्वितीय दीपिका और हर्ष तृतीय विनीता और गोरी ने प्राप्त किया। शिल्पा बोहरा की टीम ने प्रथम स्थान रंजना बाबेल की टीम ने द्वितीय स्थान शिल्पा बोहरा की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । मंच संचालन प्रीति डेढिया और सुमिता बाबेल के द्वारा किया गया ।रश्मि बाबेल , स्वीटी कोठारी और ममता श्री श्रीमाल ने मैनेजमेंट में अपना सहयोग प्रदान किया। इसका समापन रात को हुआ उसे समय कोऑर्डिनेटर मोहित बुरड़ विजय मेहता, पियूष बाबेल प्रिंस कोठारी, कमल कोठारी, पंकज डेढिया आदि सदस्य उपस्थित थे।

साधु संतों की भक्ति सभी को करना चाहिए

सनावद. शाबाश इंडिया। गुरु भक्ति का सुयोग महान पुण्य से मिलता है। गुरु की सेवा से अज्ञान रूपी अंधकार समाप्त होता है। गुरु के प्रति श्रद्धा उनकी सेवा श्रावकों का प्रमुख कर्तव्य है। उपरोक्त विचार श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में प्रवचन के दौरान पूज्य आर्यिकारत्न प्रतिभामती माताजी ने व्यक्त किये। परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के शिष्य गुरुवर श्री आर्जव सागर महाराज द्वारा दीक्षित पूज्य आर्यिकारत्न प्रतिभामती माताजी, आर्यिका सुयोगमति माताजी, आर्यिका मार्मिकमति माताजी इन दिनों सनावद प्रवास पर हैं । उपरोक्त जानकारी देते हुए पार्श्वज्योति मंच के अध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र जैन भारती ने बताया कि रविवार को पूज्य आर्यिका संघ की आहारचर्या सुमित भूच के निवास पर संपन्न हुई। कमलेश भूच, आशीष झांझरी, मंजू भूच, मधु भूच, अंजू पाटनी, मंजू पाटनी, हीरामणि भूच, चंदा पाटनी को आहार देने का सौभाग्य मिला।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप आदिनाथ की दो दिवसीय धार्मिक यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप आदिनाथ जयपुर ग्रुप द्वारा 18 सदस्यों को लेकर 29 नवम्बर को दो दिवसीय धार्मिक यात्रा निर्मल कासलीवाल एवं रोशन लाल जैन के संयोजन में श्री चंद्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर दुगार्पुरा के दर्शन से आरम्भ हुई। आगे मेहंदवास-निमोला-सांखना-आवां के अतिशय कारी मंदिरों के दर्शन करते हुए शाम जहाजपुर पहुंचे सांय सामूहिक आरती की तथा स्वस्तिधाम प्रणेत्री स्वस्ति भूषण माताजी का आशीर्वाद लिया। अगले दिन 30 नवंबर को प्रातः स्वस्तिधाम जहाजपुर में अभिषेक एवं शांतिधारा का धर्म लाभ लिया एवं चांवलेश्वर पार्श्वनाथ के लिए रवाना हुए यहां दोपहर भोजन ग्रहण कर बिजौलियां पार्श्वनाथ के दर्शनार्थ प्रस्थान किया। यहां भगवान पार्श्वनाथ की अत्यन्त ही अतिश्यकारी प्रतिमाएं है।इस धार्मिक यात्रा में विमल प्रकाश कोठरी का विशेष योगदान रहा। एक अच्छी एवं व्यवस्थित यात्रा के लिए अध्यक्ष कैलाश चन्द बिंदायकया द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

मुनि संघ की जैन समाज ने की भव्य आगवानी

गौरव जैन सिन्नी. शाबाश इंडिया

अशोक नगर। प्रातः काल नगर में मुनि त्रय का भव्य मंगल प्रवेश हुआ मुनिश्री श्री आदित्य सागर जी महाराज नगर गौरव मुनिश्री सहज सागर जी महाराज मुनिश्री सागर जी महाराज ने गुना रोड़ से नगर प्रवेश किया जहां जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई संयोजक उमेश सिघई विपिन सिंघई मंत्री शैलेन्द्र श्रागर युवा वर्ग के सुलभ अखाई सचिन जैन अरिहंत गुप के वर्धमान अखाई अतुल जैन सहित अन्य प्रमुख जनो ने मुनि संघ की भव्य आगवानी की इसके बाद मुनि संघ को एक भव्य शोभायात्रा के रूप में नगर प्रवेश कराया गया ।

नगर प्रवेश कर मुनि संघ पहुंचा गंज मन्दिर

यहां शोभायात्रा श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर से भव्य जुलूस के रूप में वदल गई जहां स्थान स्थान पर भक्तों ने मुनि संघ के पाद प्रक्षालन आरती उतारी शोभायात्रा यात्रा में आगे आगे श्री विद्यासागर सर्वोदय पाठशाला के वच्चे अपने हाथों में ध्वज लहराते हुए चल रहे थे उनके पीछे अरिहंत गुप जैन मिलन के कार्यकर्ता उनके वाद श्री दिगम्बर जैन युवा वर्ग के दिव्य घोष के साथ श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी व अन्य सेवा दलो के साथ समाज चल रहे थे ये भव्य जुलूस गांधी पार्क भगवान महावीर मार्ग श्री विद्यासागर द्वार होते हुए सुभाष गंज मैदान पहुंचा जहां विराजमान मुनिश्री अरह सागर जी महाराज का मुनि संघ से मिलन हुआ फिर यहां जूलूस इन्द्र पार्क होते हुए शान्ति नाथ त्रिकाल चौबीस जिनालय पहुंच कर धर्म सभा में बदल गया जहां मुनि संघ के मंगल प्रवचन हुए

कल होगा भगवान का मस्तिष्काभिषेक

धर्म सभा का संचालन करते हुए जैन समाज के मंत्री शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि कल त्रिकाल चौबीस की वर्षगांठ पर परम पूज्य मुनिश्री अरह सागर जी महाराज मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज नगर गौरव मुनि श्री सहज सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में भगवान श्री शांतिनाथ कुन्थनाथ अरहनाथ स्वामी का महा मस्तिकाभिषेक होगा इसके साथ ही महापूजा एवं श्री विद्यासागर सर्वोदय पाठशाला के कलशोकी स्थापना होगी तद उपरांत मुनि संघ की आहार चार्य होगी इसके वाद भगवान श्री जिनेन्द्र देव की भव्य वृषभ रथयात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए श्री शान्ति नाथ दिगम्बर जैन मन्दिर आकर धर्म सभा में बदल जायेगी जहां मुनि संघ के सान्निध्य में भगवान के कलशाभिषेक होंगे ।

भजन सम्राट प्रो. सुशील पाटनी को दी श्रद्धांजलि

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगम्बर जैन महासमिति, अजमेर के पदाधिकारियों द्वारा श्री दिगम्बर जैन संगीत मंडल, अजमेर के संरक्षक व भजन सम्राट प्रो. सुशील पाटनी 'शील' के निधन पर उन्हें श्रद्वासुमन अर्पित करते हुये भावभीनी श्रद्वांजलि अर्पित की। श्री दिगम्बर जैन महासमिति के अध्यक्ष अतुल पाटनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य एंव अजमेर संभाग के महामंत्री कमल गंगवाल ने बताया कि अजमेर संभाग के जैन समाज की शान और अजमेर को भारतवर्ष में भजनों के माध्यम से पहचान दिलाने वाले स्वर सम्राट प्रो. सुशील पाटनी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुये कहा कि ऐसे व्यक्तित्व के धनी को खो दिया जिसकी भरपाई करना असंभव है। ऐसी पुण्यात्मा को इतिहास कभी भी भुला नहीं सकता, वो सदा अमर रहेंगें, हम सदा अपने भजनो में उन्हें याद करेंगें। प्रवक्ता संजय कुमार जैन व कोषाध्यक्ष श्रेयांस पाटनी ने कहा कि हर धार्मिक कार्यक्रम में जिस उत्साह व अपने द्वारा रचित सुन्दरमय भजनो के साथ वे चरम पर पहुंचाते थे और युवाओं व बुजुर्गो में अपनी अमिठ पहचान बनाई तथा हर व्यक्ति को उनके नाम से सम्बोधित करते थे तथा कई संस्थाओं से जुडकर धार्मिक, सामाजिक क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया । उनके द्वारा गाये गये भजन- ढोल बजाके बोल बाबा तेरा है, बाजे छः बधाई, लल्ला गोदी लेले रे, मशहूर भजनों का इतिहास हमेषा अमर रहेगा। श्रद्वांजलि सभा में राकेश पालीवाल, अतुल पाटनी, श्रेयांस पाटनी, कमल गंगवाल, पीयूष जैन, संजय कुमार जैन, अजय लुहाडिया, योगेश जैन, अमित वेद, मनीष अजमेरा, विजय पांडया, नीरज जैन, दीपक जैन पटवा, लोकेन्द्र पाटनी, मनीष जैन, सुनील गंगवाल, सुनील दोसी, अनिल जैन, राजेन्द्र पाटोदी, विमल गंगवाल, दीपक दोसी, मधु पाटनी, सरला लुहाडिया, अल्पा जैन, रोशनी सोगानी, शान्ता काला आदि।

धर्म की जड़ सदा हरी : मुनि समत्व सागर

मानसरोवर के मीरामार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि समत्व सागर महाराज ससंघ का हुआ भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर के मीरामार्ग स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में रविवार को सायंकाल मुनि समत्व सागर महाराज, मुनि शील सागर महाराज ससंघ का विशाल जुलूस के रूप में भव्य मंगल प्रवेश हुआ इस मौके पर आसपास का वातावरण जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इससे पूर्व मुनि संघ सांगानेर के श्रमण संस्कृति संस्थान से मंगल विहार कर चौमू बाग के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर एवं एस एफ एस के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के दर्शन करते हुए न्यू सांगानेर रोड पर विजय पथ चौराहा पहुंचे। जहां से विशाल जुलूस के रूप में बैण्ड बाजों के साथ रवाना होकर विभिन्न मार्गो से होते हुए श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पहुचे जहा मीरामार्ग जैन समाज ने अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी के नेतृत्व में पाद पक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य अगवानी की। इससे पूर्व श्रद्धालुओं द्वारा मुनि द्वय की मार्ग में विभिन्न स्थानों पर पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की गई। मंदिर दर्शन के बाद मुनि द्वय आदिनाथ भवन पहुचे जहाँ मुनि श्री ने धर्म सभा को संबोधित किया। धर्म सभा में मुनि समत्व सागर ने कहाँ कि धर्म की जड़ सदा हरी होती है। आज युवाओं को धर्म से सक्रियता से जोड़ने की आवश्यकता है। इसके लिए बुजुर्गों को आगे आकर महती भूमिका निभानी होगी। इस मौके पर सुनील बैनाडा, तेज करण चौधरी, लोकेन्द्र जैन, सीए मनोज जैन, अशोक सेठी, जम्बू सोगानी सहित बडी संख्या महिलाओं सहित श्रद्धालु शामिल हुए। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी के मुताबिक सोमवार को प्रातः 8.30 बजे मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर मुनि समत्व सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। -**विनोद जैन कोटखावदा**

निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर में 181 रोगी हुए लाभान्वित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। शेल्बी हॉस्पिटल जयपुर एवं लायंस क्लब अजमेर आस्था ,श्री प्राज्ञ जैन संस्था, भारतीय जैन मिलन शाखा 490,श्री सोहन चिकित्सालय,श्री दिगंबर जैन महासमिति श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग अजमेर के संयुक्त तत्वाधान में सोहन चिकित्सालय रामनगर अजमेर में आयोजित विशाल एवं निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर में 181 रोगियों ने जयपुर से आए हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ वैभव मित्तल, स्पाइन रोग विशेषज्ञ डॉक्टर हेमंत, नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नटवर सिंह, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नीरज सिंह से परामर्श सहित ब्लड शुगर, बी.पी, ई. सी.जी, की निशुल्क सेवा का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी, लायन अनिल छाजेड ने बताया कि अल सुबह से ही मरीजो ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाना प्रारंभ कर दिया जिससे रजिस्ट्रेशन काउंटर पर भी मरीजों की लंबी कतार रही। इससे पूर्व डॉक्टर्स की टीम का अजमेर आगमन पर स्वागत किया गया एवं कैंप के शुभारंभ हेतु सभी संस्थाओं के पदाधिकारी एवं डॉक्टरो ने फीता काटकर इसका शुभारंभ किया। इसके पश्चात आयोजित समारोह में सभी डॉक्टरों का एवं आए हुए नर्सिंग स्टाफ का स्वागत अभिनंदन किया गया एवं सभी को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम समन्वयक लायन पदमचंद जैन ने बताया कि शिविर में वार्ड पार्षद ज्ञान चंद सारस्वत,लायन अतुल पाटनी, लायन रुपेश राठी,लायन राजेश चौधरी, लायन अनिल छाजेड,लायन कमल बाफना, लायन राकेश गुप्ता,लायन महेंद्र डोसी,लायन विनय लोढ़ा, लायन घेवर नाहर,लायन मुकेश कर्णावट,लायन संदीप गोयल,लायन दिनेश शर्मा,राजकुमार जी पोखरणा, निहाल जी चौधरी, जी एम जैन, अहवन्त मोदी, प्रकाश पोखरणा,माणक जी सिसोदिया, इंदर जी पोखरणा,विकास नाहर,प्रमोद कावड़िया, प्रेमचंद जैन, नाथूलाल जैन,नरेश जैन, कुसुम जैन, मंजुला जैन, सी पी कटारिया, कमल गंगवाल, संजय जैन, मधु पाटनी, रोशनी सोगानी,सुषमा पाटनी, शांता काला, अल्पा जैन,सरला लुहाड़िया सहित काफी संख्या में समाज बंधुओ ने सेवा प्रदान की। कैंप के लाभार्थी श्रीमती कमला देवी खटोड़,विमलेश मंजू जैन,लायन पदमचंद मधु जैन रहे।

बच्चे हो रहें हैं धार्मिक संस्कारों से ओत- प्रोत

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। स्थानीय जैन समाज के छोटे-छोटे बच्चे सप्ताह के हर रविवार को प्रातः मंदिरों में अष्ट द्रव्यों से पूजन कर धार्मिक संस्कारों से ओत-प्रोत हो रहे हैं। रविवार को जैन समाज के छोटे-छोटे बच्चों को आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में वीना गदिया, सीमा बड़जात्या, सोनू सोनी व निधि जमोरिया आदि ने अष्ट द्रव्यों से पूजन कराकर उन्हें धार्मिक संस्कारों की शिक्षा प्रदान की। पूजन कर धार्मिक शिक्षा प्राप्त करते हुए बच्चे धार्मिक संस्कार गढ़ रहे हैं।

जगतपुरा की पावन धरा पर हुआ मुनिराज आर्यिका का भव्य मंगल आगमन

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्राचीन अतिशकारी श्री शांतिनाथ दि जैन मंदिर मेन मार्केट जगतपुरा में स्थित प्रातः कालीन मंगल बेला में परम पूज्य आचार्य भगवंत श्री विधा सागर जी महाराज के धर्म प्रभावक अहम योग प्रणेता 108 श्री प्रणम्य सागर जी मुनिराज का भव्य जूलूस के साथ हुआ। मनोज्ञकारी प्राचीन अतिशकारी श्री शांतिनाथ प्रभु की प्रतिमा का दर्शनार्थ हेतु हुए भव्य मंगल आगमन हुआ विनोद पापडीवाल ने अवगत कराया मुनिराज को सिद्धार्थ नगर से विहार करते हुए कच्ची बस्ती जगतपुरा से भव्य जूलूस के साथ मंदिर जी लाया गया इस अवसर पर मंदिर समिति के सभी सदस्य महिला मण्डल एवं जगतपुरा जैन समाज के समस्त समाज बंधुओं ने मुनिराज की भव्य अगुवानी कर आहार चार्य भी सम्पन्न करायी। इसके पश्चात सायं 4 बजे आचार्य भगवंत सुनील सागर जी मुनिराज की परम शिष्या आर्यिका 105 सुदृढ़ मति माता जी ससघ का भी भव्य जूलूस के साथ श्री शांतिनाथ प्रभु के दरबार मंगल आगमन हुआ आर्यिका संघ ने जगतपुरा में रात्रि विश्राम कर प्रातः कालीन मंगल बेला में मंदिर जी के दर्शन कर सिद्धार्थ नगर के लिए मंगल विहार किया।

राजस्थान जैन सभा

कार्यकारणी सदस्य चुनाव 2024

रविवार, दिनांक 8 दिसम्बर 2024

समय - प्रातः 8.15 बजे से सायं 5.15 बजे तक

स्थान

महावीर स्कूल प्रांगण

सी-स्कीम, जयपुर

एक VOTE महिला को...

बैलेट नं. 13

आपकी बहन, आपकी बेटी

रश्वी जैन

कार्यकारणी सदस्य प्रत्याशी

को अपना मत एवं समर्थन देकर विजयी बनायें।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

धुलियान मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल

धुलियान दिगंबर जैन पन्चायत ट्रस्ट व फरक्का लायन्स क्लब द्वारा निशुल्क नेत्र जांच व ओपरेशन शिविर धुलियान में जैन कॉलोनी के आचार्य विद्यासागर निलय किया गया। जरूरतमंद ने इसका लाभ लिया ज्ञात हो धुलियान दिगंबर जैन पन्चायत ट्रस्ट द्वारा संचालित जैन होम्योपैथिक दातव्य चिकित्सालय जो विगत 40 साल से निशुल्क सेवा प्रदान कर रहा है तथा कुछ दिन पहले डेंटल विभाग का निशुल्क सेवा का संजोजन भी हो चुका है। धुलियान जैन समाज के दातव्य चिकित्सालय के मंत्री सुरेंद्र सेठी ने कहा भविष्य में दातव्य सेवा को और आधुनिकीकरण कर ज्यादा सेवा प्रदान करेंगे, शिविर में समाज के साहिल झांझरी, कैलाश सेठी, मनोज बड़जात्या, राजेश गंगवाल, रिषी काला, महावीर प्रसाद काला, प्रदीप गंगवाल, आलोक काला, अमित काला, रिंकू बड़जात्या, महेंद्र अजमेरा आदी गणमान्य उपस्थित थे।

-संकलन
संजय बड़जात्या